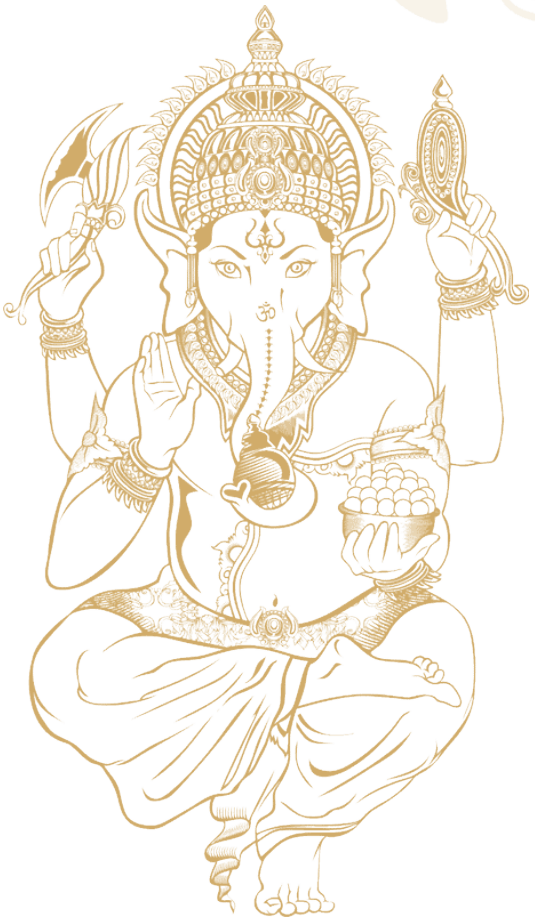

Nishant

Manshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121368402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/09/1991	जन्म तिथि	28-29/06/1996
शुक्रवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 17:50:00	जन्म समय	01:00:00 घंटे
घटी 30:44:56	जन्म समय(घटी)	50:04:33 घटी
India	देश	India
Pusa	स्थान	Begusarai
25:59:00 उत्तर	अक्षांश	25:25:00 उत्तर
85:40:00 पूर्व	रेखांश	86:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:12:40	स्थानिक संस्कार	00:14:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:32:01	सूर्योदय	04:57:34
17:55:35	सूर्यास्त	18:39:48
23:44:45	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:33

विंशोत्तरी गुरु 4वर्ष 6मा 0दि बुध 15/03/2015 14/03/2032		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शनि 8वर्ष 6मा 8दि केतु 05/01/2022 05/01/2029	
बुध	11/08/2017	10:14:10	सिंह	बुध	वृष	29:14:02	केतु	04/06/2022
केतु	08/08/2018	06:31:20	सिंह	गुरु व	धनु	19:40:45	शुक्र	04/08/2023
शुक्र	08/06/2021	27:15:42	कर्क	शुक्र व	वृष	18:12:14	सूर्य	10/12/2023
सूर्य	14/04/2022	06:49:41	मक व	शनि	मीन	13:15:06	चन्द्र	10/07/2024
चन्द्र	14/09/2023	22:54:50	धनु व	राहु व	कन्या	19:29:37	मंगल	06/12/2024
मंगल	10/09/2024	22:54:50	मिथु व	केतु व	मीन	19:29:37	राहु	24/12/2025
राहु	30/03/2027	16:06:15	धनु व	हर्ष व	मक	09:48:22	गुरु	30/11/2026
गुरु	05/07/2029	20:17:12	धनु व	नेप व	मक	03:04:53	शनि	09/01/2028
शनि	14/03/2032	24:25:12	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	06:59:39	बुध	05/01/2029

लग्न-चलित

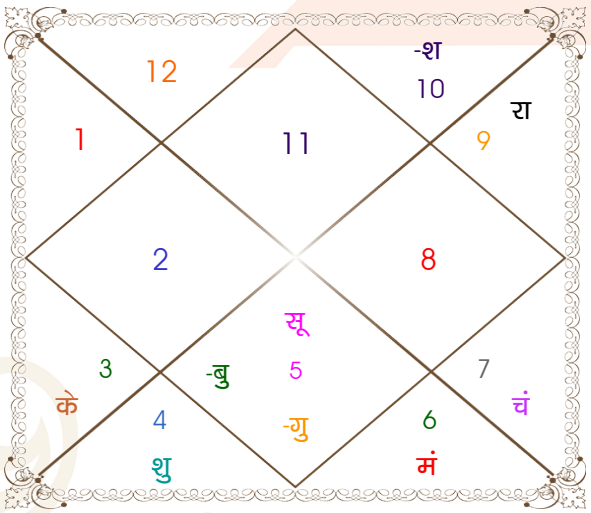

लग्न-चलित

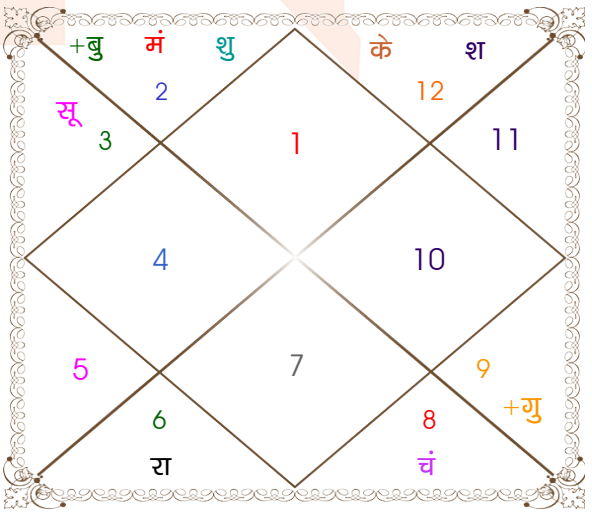

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

छर्पोंदज का वर्ग सर्प है तथा Manshi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छर्पोंदज और Manshi का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

छर्पोंदज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Manshi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Manshi कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

छर्पोंदज तथा Manshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।